सहर्ष स्वीकारा है

कवि - गजानन माधव मुक्तिबोध

पद्यांश पर आधारित —

संकेत- जिंदगी में — — — — — संवेदन तुम्हारा है।

1. कवि सभी स्थितियों को सहर्ष स्वीकार क्यों कर लेता है?

उत्तर- कवि सभी स्थितियों को सहर्ष स्वीकार कर लेता है क्योंकि उसे अपने प्रेरक द्वारा परिस्थितियों से जूझने की शक्ति प्राप्त होती है।

2- कवि ने किसे मौलिक कहा है, और क्यों?

उत्तर- कवि ने अपने अंदर के विचार, वैभव, भावनाओं की सरिता व हर परिस्थिति में दृढ़ बने रहने को मौलिक कहा है क्योंकि ये सभी उसने स्वयं अपने अनुभव से प्राप्त किया है।

3- कवि हर वस्तु और हर पल में प्रेरक की संवेदना क्यों महसूस करता है?

उत्तर- कवि प्रेरक की संवेदना हर वस्तु व हर पल में महसूस करता है क्योंकि उसे जागृत अवस्था अथवा अपने में जो कुछ भी प्राप्त हुआ है, उसका पूरा श्रेय वह अपनी प्रेरक को देना चाहता है।

संकेत - जाने क्या रिश्ता — — — — — नहा हूँ मैं

1. कवि अपने दिल की तुलना किससे करता है तथा क्यों?

उत्तर- कवि अपने दिल की तुलना मीठे पानी के झरने

से करता है। वह झरने से जितना भी इस
बाहर उड़ेलता है, उतना ही यह फिर भर जाता है

2- कवि प्रेम को अपने जीवन में किस प्रकार अनुभव करता है?

उत्तर- कवि प्रेरक को अपने जीवन पर इस प्रकार अच्छादित अनुभव करता है जैसे आसमान पर चाँद खड़ा मुसकुराता है। कवि के जीवन पर सदा तुम्हारा मुसकुराता हुआ चेहरा जगमगाता रहता है।

3- कवि क्या दंड चाहता है और क्यों?

उत्तर- कवि अपनी प्रेरक को भूलने का दंड चाहता है क्योंकि उसके अत्यधिक स्नेह के कारण उसकी आत्मा कमजोर हो गई है। उसका अपराधबोध से दबा मन यह प्रेम सहन नहीं कर पाता है। उसका मन आत्मग्लानि से भर उठा है।

3- इसलिए कि तुमसे ------- बरदाश्त नहीं होती

1. काव्यांश में कवि की स्थिति का वर्णन करें।

उत्तर- कवि कहता है कि आत्मीयता में वह इतना कमजोर हो गया है कि उसे सांत्वना, सहानुभूति और अपनापन भी अच्छा नहीं लगता है।

2- कवि की आत्मा व्यथित क्यों हो रही है?

उत्तर कवि अपनी प्रेरक की ममता भरी यादों को भुलाने में असमर्थ है। हर समय उसकी यादों से आच्छादित रहना कवि को व्यथित करता है।

3- कवि अपनी आत्मा को कमजोर एवं अक्षम क्यों मानता है?

उत्तर - कवि को उसके प्रेरक की कोमलता गहरे एहसास उत्प्रेरित करते हैं। उसकी आत्मा प्रेरक को भुला पाने में असमर्थ हो रही है, इसलिए वह अपने आप को कमजोर महसूस करता है।

संकेत -- सचमुच मुझे ---------- तुम्हें प्यारा है

1. प्रियतमा के बारे में कवि क्या अनुभव करता है?

उत्तर - कवि को अपनी प्रेरक के बारे में यह अनुभव है कि उसके जीवन की हर गतिविधि पर उसका प्रभाव है। उसके जीवन में जो कुछ घटित होने वाला है, उस सब पर उसकी प्रेरक की गहरी छाया है।

2. कवि को अपने जीवन की हर दशा सहर्ष क्यों स्वीकार है?

उत्तर - कवि ने अपने जीवन के सुख-दुख, सफलताएँ-असफलताएँ सभी को खुशी-खुशी अपनाया है क्योंकि ये उसकी प्रेरक को अच्छे लगते हैं और उन्हें अस्वीकार करना कवि के लिए मुश्किल है।